D
Batch- 2016-17 till 2019-20

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : मे –२०२२

सत्र – २

विषय : विशेष साहित्यकार–उपन्यासकार प्रेमचंद (भाग –२) (HC–२०२)

दि.: २१/०५/२०२२	**कुल अंक : ६०**	**समय : प्रात: १०.०० से दो. १२.३०**

सूचना : १) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

२) किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र. १ तत्कालीन समाज में स्थित समस्याओं को प्रेमचंदजी ने किस प्रकार उजागर किया? पठित उपन्यासों के आधार पर लिखिए ।

प्र. २ 'रंगभूमि' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ३ 'सुमन की स्थिति को गजाधर कारण रहा' – कथन की पुष्टि कीजिए ।

प्र. ४ प्रेमचंद जी का जीवन और उनके साहित्य सृजन का परस्पर संबंध स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ५ 'निर्मला' उपन्यास के स्त्री पात्रों की पहचान संक्षेप में रेखांकित कीजिए ।

प्र. ६ अ **स–संदर्भ व्याख्या कीजिए।**

१) धन सारे ऐबों को छिपा देगा ।

अथवा

२) अपना सर्वनाश करने के लिए तुम्हें अपने घर नहीं लाया था ।

ब **टिप्पणी लिखिए।**

१) गजाधर ।

अथवा

२) देशसेवक प्रेमचंद ।